हिन्दी व्याकरण: संज्ञा (Noun)

संज्ञा की परिभाषा

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव या अवस्था के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।

उदाहरण: राम, दिल्ली, मेज, मिठास, बचपन आदि।

संज्ञा के भेद (Types of Noun)

मुख्य रूप से संज्ञा के पाँच भेद माने जाते हैं:

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun)

जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं।

- **उदाहरण:** भारत, हिमालय, गंगा, रामायण, जयपुर।

2. जातिवाचक संज्ञा (Common Noun)

जो शब्द किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की पूरी जाति या वर्ग का बोध कराते हैं।

- **उदाहरण:** लड़का, पहाड़, नदी, शहर, किताब।

3. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun)

जिन शब्दों से किसी गुण, स्थिति, भाव या दशा का बोध हो। इन्हें स्पर्श नहीं किया जा सकता, केवल अनुभव किया जा सकता है।

- **उदाहरण:** ईमानदारी, बचपन, क्रोध, मिठास, प्रेम।

4. समूहवाचक संज्ञा (Collective Noun)

जो शब्द किसी समूह या समुदाय का बोध कराते हैं।

- **उदाहरण:** सेना, कक्षा, भीड़, गुच्छा, सभा।

5. द्रव्यवाचक संज्ञा (Material Noun)

जो शब्द किसी ठोस, तरल, धातु या अधातु (पदार्थ) का बोध कराते हैं।

- **उदाहरण:** सोना, चाँदी, पानी, तेल, घी, लोहा।

संज्ञा के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण

- **प्राणी:** राम, हाथी, मछली, चिड़िया।
- **स्थान:** मंदिर, बाजार, अमेरिका, बगीचा।
- **वस्तु:** कलम, मोबाइल, कुर्सी, पंखा।
- **भाव:** अहिंसा, दया, ममता, बुढ़ापा।